MASA-05

December - Examination 2016

M.A. (Final) Sanskrit Examination

गद्य तथा काव्य

Paper - MASA-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स'तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न (अनिवार्य))

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। अपना उत्तर एक शब्द एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में सीमित करें। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है।

1) (i) पुष्पदन्त गन्धर्व ने 'शिव महिम्न: स्तोत्र' में किसकी महिमा का मण्डन किया है?

(ii) बाणभट्ट की गद्यरचना कादम्बरी कितने भागों में विभक्त है?

(iii) 'शिशुपालवधम्' के रचयिता का नाम बताइए।

(iv) 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य में कितने सर्ग हैं?

(v) श्री कृष्ण युधिष्ठिर के 'राजसूययज्ञ' में किससे मन्त्रणा करने के पश्चात् जाने का निश्चय करते हैं?

(vi) 'विक्रमांकदेवचरितम्' के रचयिता कौन हैं?

(vii) 'विक्रमांकदेवचरितम्' में किस वंश के तथा किस ऐतिहासिक चरित्र का वर्णन किया गया है?

(viii) 'विक्रमाङ्कदेवचरितम्' का अंगीरस कौनसा है?

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरात्मक प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें। अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित करें। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिये।

यस्मिंश्च राजनि जितजगति परिपालयति महीं चित्रकर्म सुवर्णसङ्करा:, रतेषुकेशग्रहा:, काव्येषु दृढबन्धा:, शास्त्रेषु चिन्ता, स्वप्नेषु विप्रलम्भा:, छत्रेषु कनकदण्डा:, ध्वजेषु प्रकम्पा:, गीतेषु रागविलसितानि:, करिषु मदविकारा:, चापेषु गुणच्छेदा:, गवाक्षेषु जालमार्गा: शशिकृपाणकवचेषु कलङ्का:, रतिकलहेषु दूतसम्प्रेषणानि, सार्यक्षेषु शून्यगृहा: न प्रजानामासन्।

अथवा

अवतीर्य च स तेन समयेन क्षितितल–विप्रकीर्णान् संहृत्य तान् शुकशिशूननेकलतापाशसंयतानाबद्ध्य पर्णपुटेऽतित्त्वरितगमन: सेनापतिगतेनैव वर्त्मना तामेव दिशमगच्छत्।।

3) निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये।

उत्तिष्ठमानस्तु परो नोपेक्ष्य:पथ्यमिच्छता।
समौ हि शिष्टै राम्नातौ वत्स्यन्तावामय: स च।।

अथवा

अनभ्रवृष्टि: श्रवणामृतस्य सरस्वतीविभ्रम जन्मभूमि:।
वैदर्भरीति: कृतिनामुदेति सौभाग्यलाभप्रतिभू: पदानाम्।।

4) निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में व्याख्या कीजिये।

अनुत्सूत्र पदन्यासासद्वृत्ति: सन्निबन्धना।
शब्दविद्येवनोभाति राजनीतिरपस्पशा:।।

अथवा

पृथ्वीपते: सन्ति न यस्य पार्श्वे
कवीश्वरास्तस्य कुतो यशांसि।
भूपा: कियन्तो न बभूवुरूर्व्यां
जानाति नामापि न कोऽपि तेषाम्।।

5) कादम्बरी के अनुसार विन्ध्याटवी का वर्णन कीजिये।

6) 'शिवमहिम्न: स्तोत्र' के स्वरूप पर प्रकाश डालिये।

7) 'विक्रमांकदेवचरितम्' के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालिये।

8) शिशुपालवधम् द्वितीयसर्ग की राजनैतिक द्वष्टि से समीक्षा कीजिये।

9) ''कादम्बरी रसज्ञानामाहारोऽपि न रोचते'' इस पंक्ति की व्याख्या कीजिए?

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें। आपको अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) 'महाकवि माघ संस्कृत साहित्य के अनुपम स्तम्भ है' इस कथन की समीक्षा कीजिये।

11) महाकवि बाणभट्ट के काव्य–सौष्ठव पर प्रकाश डालिये।

12) विक्रमांकदेवचरितम् की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिये।

13) 'शिवमहिम्नः स्तोत्र' की साहित्यिक समीक्षा कीजिये।

———